अभ्यास पत्रक

पाठ: 4 - पानी रे पानी

नाम :- ..... कक्षा :- ..... अवधि :- ..... अनुक्रमांक :- ..... प्राप्तांक :- .....

---

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सही उत्तर चुनें। (5 अंक)

(i) भूगोल की किताब में जल-चक्र के साथ क्या बना होता है?

(क) एक सुंदर-सा चित्र (ख) एक मुश्किल सवाल

(ग) एक कविता (घ) एक कहानी

(ii) जल-चक्र की यात्रा कहाँ से शुरू होकर कहाँ वापस मिलती है?

(क) नदी से शुरू होकर बादल में (ख) धरती से शुरू होकर हवा में

(ग) समुद्र से शुरू होकर समुद्र में (घ) पहाड़ से शुरू होकर नदी में

(iii) लेखक अनुपम मिश्र की सर्वाधिक चर्चित पुस्तक का क्या नाम है?

(क) साफ माथे का समाज (ख) गांधी मार्ग

(ग) पानी रे पानी (घ) आज भी खरे हैं तालाब

(iv) पानी को रुपयों से भी कई गुना कीमती क्यों कहा गया है?

(क) क्योंकि वह बिकता है (ख) क्योंकि उसके बिना जीवन संभव नहीं है

(ग) क्योंकि वह कम मात्रा में है (घ) क्योंकि उसे जमा करना मुश्किल है

(v) यदि हमने जल-चक्र का ठीक उपयोग नहीं किया तो क्या होगा?

(क) हम अमीर हो जाएँगे (ख) हम पानी के चक्कर में फँसते चले जाएँगे

(ग) समुद्र सूख जाएगा (घ) कभी बरसात नहीं होगी

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दें। (5 अंक)

(i) जल-चक्र पूरा होने पर नदी अपना पानी लेकर कहाँ मिलती है?

उत्तर- .....

(ii) बरसात के मौसम में देश के कई भाग किसमें डूब जाते हैं?

उत्तर- .....

(iii) हम धरती की गुल्लक से पानी कब निकाल सकते हैं?

उत्तर- .....

(iv) हमें अकाल और बाढ़ से बचने के लिए क्या करना होगा?

egyanarchive

उत्तर- .....

(v) तालाबों को पाटकर उन पर क्या-क्या बना दिया गया है?

उत्तर- .....

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दें। (3 x 2 = 6 अंक)

(i) पाठ में बताए गए जल-चक्र को अपने शब्दों में संक्षेप में समझाइए।

उत्तर- .....

.....

(ii) "यह तो अपने आस-पास का हक छीनने जैसा काम है।" - लेखक ने यह बात किस संदर्भ में और क्यों कही है?

उत्तर- .....

.....

(iii) भूजल भंडार को सुरक्षित रखने के लिए हमें क्या करना चाहिए?

उत्तर- .....

.....

4. निम्नलिखित दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर विस्तार से दें। (4 अंक)

(i) पाठ के आधार पर बताइए कि पानी के संकट के मुख्य कारण क्या हैं? इस संकट को दूर करने के लिए लेखक ने क्या-क्या उपाय सुझाए हैं? विस्तार से वर्णन करें।

उत्तर- .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

egyanarchive

उत्तर कुंजी (वर्कशीट - 2)

1. बहुविकल्पीय प्रश्न:

(i) (ख) एक सुंदर-सा चित्र

(ii) (ग) समुद्र से शुरू होकर समुद्र में

(iii) (घ) आज भी खरे हैं तालाब

(iv) (ख) क्योंकि उसके बिना जीवन संभव नहीं है

(v) (ख) हम पानी के चक्कर में फँसते चले जाएँगे

2. एक वाक्य में उत्तर:

(i) जल-चक्र पूरा होने पर नदी अपना पानी लेकर समुद्र में मिलती है।

(ii) बरसात के मौसम में देश के कई भाग बाढ़ में डूब जाते हैं।

(iii) हम धरती की गुल्लक से पानी बरसात का मौसम बीत जाने के बाद पूरे साल भर तक निकाल सकते हैं।

(iv) हमें अकाल और बाढ़ से बचने के लिए अपने आस-पास के जलस्रोतों की रखवाली अच्छे ढंग से करनी पड़ेगी।

(v) तालाबों को पाटकर उन पर मकान, बाजार, स्टेडियम और सिनेमा आदि बना दिए गए हैं।

3. संक्षिप्त उत्तर: (i) जल-चक्र की प्रक्रिया समुद्र से शुरू होती है। सूरज की गर्मी से समुद्र का पानी भाप बनकर ऊपर उठता है और बादल बन जाता है। ये बादल ठंडे होकर वर्षा की बूँदों के रूप में धरती पर बरसते हैं और नदियों के माध्यम से बहकर वापस समुद्र में मिल जाते हैं।

(ii) लेखक ने यह बात नलों में मोटर पंप लगवाने के संदर्भ में कही है। ऐसा इसलिए कहा क्योंकि मोटर लगाने वाला व्यक्ति पाइपलाइन से आस-पास के कई घरों के हिस्से का पानी भी अपने घर में खींच लेता है, जो कि दूसरों का अधिकार छीनने जैसा है।

(iii) भूजल भंडार को सुरक्षित रखने के लिए हमें वर्षा के जल को तालाबों, झीलों जैसे जलस्रोतों में थामना या रोकना चाहिए ताकि यह पानी धीरे-धीरे रिसकर ज़मीन के नीचे जा सके और हमारी धरती की गुल्लक को भरता रहे।

4. दीर्घ उत्तरीय उत्तर: (i) पाठ के अनुसार, पानी के संकट का मुख्य कारण है कि हम ज़मीन के लालच में अपने पारंपरिक जलस्रोतों, जैसे तालाबों और झीलों, को कचरे से पाटकर उन पर निर्माण कर रहे हैं। ऐसा करने से धरती की पानी सोखने और जमा करने की क्षमता खत्म हो गई है, जिससे दोहरी समस्या पैदा हुई है: गर्मियों में भूजल की कमी से अकाल और सूखे की स्थिति बनती है, तथा बरसात में वही पानी ज़मीन पर फैलकर बाढ़ का कारण बनता है। इस संकट को दूर करने के लिए लेखक ने निम्नलिखित उपाय सुझाए हैं:

- **जलस्रोतों की रखवाली:** हमें अपने आस-पास के तालाबों, झीलों और नदियों आदि की अच्छे ढंग से रक्षा करनी होगी।
- **वर्षा जल का संचय:** जब बरसात हो, तो उसके पानी को बहने देने की बजाय उसे तालाबों आदि में रोकना (थाम लेना) चाहिए।
- **भूजल का संरक्षण:** वर्षा जल को संचित करके हमें अपना भूजल भंडार सुरक्षित रखना चाहिए और धरती की गुल्लक को लगातार भरते रहना चाहिए। इन उपायों को अपनाकर ही हम जरूरत के समय पानी की कमी से बच सकते हैं और पानी के दुष्चक्र में फँसने से बच सकते हैं।